डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान) **:** सर। ....(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Najma A. Heptulla is also associating herself with this mention. All the hon. Members associate themselves with this mention. ...*(Interruptions)*...

श्री बृजभूषण तिवारी : सर मेरे नाम हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : यहां लिखा हैं कि एसोसिएट। प्लीज, एसोसिएट। देखिए, कोपरेट कीजिए। एसोसिएट कीजिए, आपका नाम हैं। मैं कह रहा हूं कि एसोसिएट कीजिए।

श्री बृजभूषण तिवारी : ठीक हैं, सर। ....(**व्यवधान**)...

DR. (SHRIMATI) NAJMA A. HEPTULLA: Sir, I want to inform you that the Committee on Subordinate Legislation has taken up the issue. We have sent a notice to the Ministry asking it to send us the rules and we have questioned why the rules have not been framed. This issue is before the Committee.

Destruction of Temples in Malaysia

श्री बलवंत उर्फ बाल आपटे (महाराष्ट्र) **:** उपसभापति महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा से मलेशिया में बड़ी संख्या में जो मंदिर तोड़े जा रहे हैं, यह विषय इस देश के मंत्री के ध्यान में लाना चाहता हूं। हम सबको पता हैं कि डेढ़ सौ से अधिक वर्षो से हिन्दुस्तान के मूल निवासी वहां जाकर रहे है, जिनमें बहुत सारे तमिल नागरिक थे और आज भी बहुत बड़ी संख्या में हिन्दुस्तान के नागरिक वहां जाकर काम कर रहे हैं। इन वर्षो का इतिहास यह हैं कि वहां शांति रही, सौहार्द, वहां जो लोग रहे, वे वहां घुलमिल कर रहे हैं, लेकिन इन दिनों, गत कुछ वर्षो से पूरी दुनिया को आंतकित करने वाला जो फंडामेंटालिज्म हैं, उसका भारत के पूर्व क्षेत्र में भी उदय हुआ हें। वहां यदि ओसामा बिना लादेन हैं, तो यहां हंबाली का उदय हुआ हैं और मलेशिया में, इडोनेशिया में, जहा तक कि थाईलैड में भी अब इस फंडामेंटालिज्म के कारण हिंसा उत्पन्न हो रही हैं, मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। इस स्थिति में मुझे ऐसा लगता हैं कि भारत सरकार को इस विषय पर सोचना चाहिए, कुछ करना चाहिए। स्वयं प्रधानमंत्री अभी एशियान में गए थे, मलेशिया के प्रधानमंत्री उनको मिले होंगे। यह विषय इतने दिनों से चल रहा हैं, इसलिए आवश्यकता यह हैं कि भारत के प्रधानमंत्री, भारत के विदेश मंत्री इस विषय पर हमारे पडौसी देश के साथ जरूर संपर्क बनाकर वहां के हिंदुओ की जो स्थिति हो रही हैं, मंदिर जो तोड़े जा रहे हैं, उनके कारण जो असुरक्षा आ रही हैं, अधिकारों का हनन हो रहा हैं, उससे उनको बचाए।

सर, अभी परसों जो डेमोन्स्ट्रेशन हुआ, उस डेमोन्स्ट्रेशन पर पुलिस ने जो हमला किया, उसमें केवल लाठी ही नहीं,केवल टीयर गैस ही नहीं बल्कि कैमिकल, जिसमें ऐसी गैस होती हैं, उसका उपयोग किया गया हैं, यह बहुत खतरनाक चीज हैं। मेरा ऐसा अनुरोध हैं कि विदेश मंत्री इस विषय पर इस सदन को आज की स्थिति के बारे में और भारत सरकार क्या कर रही हैं उसके बारे में अवगत कराए।MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, (Interruptions) Associated. (Interruptions) Shri Ali Anwar. (Interruptions) No question. *(Interruptions)*

श्री सुरेन्द्र लाठ (उड़ीसा) **:** उपसभापति महोदय, मैं श्री आपटे जी को ऐसोसिएट करता हूं। ....(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) **:** महोदय, मैं भी ऐसोसिएट करता हूं। ....(**व्यवधान**)...

SHRI THANGA TAMIL SELVAN (Tamil Nadu): Sir, I ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You associate…*(Interruptions)*... You have not given notice, you willnot be allowed to speak ....*(Interruptions)* Please. No, no, there is no notice from you…*{Interruptions)* .... You are allowed to associate, please associate…*(Interruptions)*…Associate ....*(Interruptions)* Shri Ali Anwar.

श्री अलनी अनवर (बिहार) **:** महोदय, देश के मुख्तलिफ सूबों में बुनकर और दूसरे कारीगर तबाकों के लोग रोजगार नहीं मिलने के कारण और उनके प्रॉडक्ट नहीं बिकने के कारण खुदखुशी कर रहे है, पलायन कर रहे हैं—उत्तर प्रदेश में कर रहें, महाराष्ट्र जैसे विकसित राज्य में कर रहे हैं, आन्ध्र प्रदेश जैसे विकसित राज्य में कर रहे है।

महोदय पिछली 9 मई को हमने इस सदन में इस सवाल को उठाया था और माननीय मंत्री श्री वाघोला जी ने हमारे सवाल के जवाब में सदन को आश्वासन दिया था बुनकरों पर जो करीब 800 करोड़ रूपए का लोन हैं, उनको माफ करने के बारे में और जो बुनकर गांवो में निवास करते हैं, उनको किसानों के बराबर 7% इंटरेस्ट पर लोन देने के लिए उनकी आ PMO से चल रही हैं और जल्द ही इस बारे में फैसला लिया जाएगा। महोदय, 6 महीने हो गए हैं और बुनकरों की खुदखुशी, आत्महत्या की घटनाएं जारी हैं। बगल में बनारस में महिलाएं बच्चा बेच रही हैं, अखबरों में ऐसी खबर छपी कि एक औरत ने अपने दुधमुंहे बच्चे को 2,500 रूपए में बेच दिया। बुनकरों की औरतें नकाब पहनकर सरकारी और दूसरे अस्पतालों में जाती हैं और 150, 200 रूपए में अपना खून बेचती हैं, तब जाकर उनके घर में चूल्हा जलता हैं। यह शर्मनाक स्थिति हैं। लानत हैं ऐसी व्यवस्था पर, जहां पर इस तरह से चल रहा हो।

महोदय, आज भी खेती के बाद सबसे ज्यादा रोजगार Artisan बुनकरी के धंधे से और दूसरे ऐसे ही धंधों से मिलता हैं। न सिर्फ बुनकरों के धंधे से बल्कि मुरादाबाद में पीतल के, अलीगढ़ में ताले बनाने के, फिरोजाबाद में चूडी बनाने के मिर्जापुर और भदोही में कालीन बनाने के धंधे से मिलता हैं। महोदय, ऐसी हालत क्यों खराब हैं? क्योकि, चीन का कपड़ा आ रहा है, चीन के धागे आ रहे हैं और चाइनीच सामान यहां के बाजारों में भर गए हैं।

महोदय, बिहार में माननीय श्री नीतिश कुमार जी के नेतृत्व में हमारी पार्टी की सरकार है, उस सरकार ने 1250 करोड़ रूपया माफ किया हैं। सरकार हम बुनकर को 10 हजार रूपए हैडलूम की रिमॉडलिंग के लिए दे रही हैं और जो पावरलूम लगाते हैं, चलाते हैं, उनको पावरलूम चलाने के लिए जेनरेटर की खरीद पर 50% अनुदान दे रही हैं। केंद्र सरकार ऐसा क्यों नहीं कर रही हैं?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude.

श्री अली अनवर (बिहार) **:** मैं कहना चाहता हूं कि आज भी इस धंधे की सबसे ज्यादा हालत खराब है, जबकि कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार इसी धंधे से मिलता हैं। यदि इसके बारे में कुछ न किया गया तो देश की सामजिक संरचना और व्यवस्था गड़बड़ हो जाएगी। सरकार संवेदन शून्य हो गई है। मैं कहना चाहता हूं कि जल्द से जल्द सरकार ने जो घोषणा की हैं, वह उसको लागू करे। सरकार की सारी योजनाएं कागजी हैं, उन पर कोई अमल नहीं हो रहा हैं। सरकार जो भी पैसा देती हैं, कोआपरेटिव चलाने वाले बिचोलिए उसे खा जाते हैं। इसलिए बुनकरों को, Artisan class के लोगों को सीधा फायदा पहुंचे, इसका इंतजाम सरकार करे।

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) **:** सर, मैं इनको ऐसोसिएट करता हूं।

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I associate.

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, I associate.

SHRI M.V. MYSURA REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I associate.